



बरसात में किया मैंने एक नये लंड का शिकार

“हॉट चूत फक कहानी में मैं बारिश वाले दिन बहुत गर्म हो रही थी. मैं कार लेकर निकल पड़ी किसी सख्त लंड की तलाश में! मुझे एक लंबा जवान लड़का टैक्सी के इंतजार में खड़ा मिला. ...”

Story By: रेशमा 75 (reshmaa75)

Posted: Saturday, December 2nd, 2023

Categories: [कोई मिल गया](#)

Online version: [बरसात में किया मैंने एक नये लंड का शिकार](#)

बरसात में किया मैंने एक नये लंड का शिकार

हॉट चूत फक कहानी में मैं बारिश वाले दिन बहुत गर्म हो रही थी. मैं कार लेकर निकल पड़ी किसी सख्त लंड की तलाश में! मुझे एक लंबा जवान लड़का टैक्सी के इंतजार में खड़ा मिला.

मेरा नाम मिस रेशमा है.

मैं 26 साल की एक मस्त, खूबसूरत और हॉट लड़की हूँ।

मेरा कद 5' 4" है, रंग गोरा और चेहरा गोल है।

मैं बिना मेकअप के उतनी ही अच्छी लगती हूँ जितना मेकअप में!

इसलिए मैं बहुत कम मेकअप करती हूँ।

मेरे बूब्स बड़े बड़े हैं, मेरी बाहें बड़ी मनमोहक हैं. मेरे चूतड़ थोड़ा उभरे हुए हैं और चूतड़ों के बीच मेरी गांड की दरार बड़ी सेक्सी लगती है।

मैं बहनचोद जितनी सेक्सी आगे से दिखती हूँ उतनी ही सेक्सी पीछे से भी दिखती हूँ।

मेरी कमर पतली है और जांघें मोटी मोटी हैं.

उनके बीच की चूत के तो कहने ही क्या ... कभी मौका मिलेगा तो आपको भी दिखा दूँगी।

मैं मुंबई की रहने वाली हूँ, मेरा फ्लैट मुंबई के दादर के इलाके में है और मैं एक बड़ी कंपनी के काम करती हूँ।

मेरी कंपनी का ऑफिस मुंबई साउथ में है यानी चर्च गेट के पास।

मैं हर रोज़ अपनी कार से ऑफिस आती जाती हूँ.

हॉट चूत फक कहानी तब की है जब एक दिन जब मैं अपने ऑफिस से निकली तो 5 मिनट में ही आसमान पर घनघोर बदल छा गए।
चारों तरफ अन्धेरा हो गया, तुरंत बरसात होने लगी।

मैं अपनी गाड़ी में बैठी थी और सामान्य गति से चली जा रही थी।
मैं जब हाजी अली तक पहुंची तो देखा कि एक मस्त जवान लड़का सड़क पर खड़ा हुआ शायद किसी टैक्सी का इंतज़ार कर रहा है।

टैक्सी का कहीं नामोनिशान नहीं था।

मुझे उस पर तरस आ गया तो मैंने अपनी कार रोक दी, उसे इशारे से बुलाया और पूछा-
कहाँ जाना है ?

वह बोला- दादर तक जाना है मैडम !

मैंने कहा- तुम तो बिल्कुल भीगे हो। मेरी गाड़ी गीली हो जाएगी। तुम अपनी शर्ट और
पैंट उतारो, उन्हें निचोड़ कर इस कैरी बैग में रख लो। मैं तुम्हें रेनकोट दे रही हूँ। फिर
रेनकोट पहन कर गाड़ी में बैठ जाओ। नीचे चड्डी पहने हो न ?

वह बोला- हां पहनी है।

मैंने कहा- फिर शर्मने की कोई जरूरत नहीं है बरसात तेज होने वाली है। जल्दी करो।

वह चड्डी पहने हुए गाड़ी में रेनकोट पहन कर बैठ गया।

तब तक बरसात वाकई बड़ी तेज हो गयी।

मैंने कहा- अब आगे जाना मुश्किल है, तुम मेरे साथ मेरे घर चलो।

मैं उसे अपने घर ले आयी।

बरसात और तेज हो गयी।

मेरी नीयत उस पर खराब हो गई क्योंकि मैंने उसका गोरा गोरा नंगा बदन देख लिया था।
उसकी चौड़ी छाती मुझे पसंद आ गयी थी।

मैंने अनुमान लगाया की इसका लंड दमदार होगा.
मुझे इधर कई दिनों से लंड नहीं मिला था, मैं लंड के लिए तड़प रही थी।

मैंने जानबूझ कर इस लड़के को लिफ्ट दी ताकि मैं किसी तरह इसके लंड तक पहुँच सकूँ!
अगर लंड मेरे मन का हुआ तो फिर रात भर लूंगी इससे चुदाई का मज़ा!

यही सोच कर मेरी चूत ससुरी गीली हो गयी।

उस समय मैं साड़ी और ब्रा में थी।

मैं गाड़ी से उतरी और अपने लम्बे लम्बे बाल पीछे करके अपना पल्लू थोड़ा गिराया तो
मेरे बड़े बड़े बूब्स उसके सामने खुल गए।
मेरी ब्रा इतनी तंग और छोटी थी कि उससे केवल निप्पल ही छिपे हुए थे, बाकी सब दिख
रहा था।

वह मुझे आँखें फाड़ फाड़ कर देखने लगा।
मैंने कहा- अब तुम उतर आओ और मेरे साथ चलो।

वह मेरे साथ फ्लैट में आ गया और एक कुर्सी पर बैठ गया।

मैंने उसे एक तौलिया देकर कहा- अब तुम बाथरूम जाओ, अपनी चड्डी उतारो, उसे
अपनी कमीज और पैट के साथ वहीं डाल दो. मैं बाद में उन्हें वाशिंग मशीन में डाल दूँगी।

इधर मैंने अपने कपड़े उतार कर एक पजामा पहन लिया।
ऊपर से मैं बिल्कुल नंगी हो गयी।

मैंने अपने बालों को आगे कर लिया तो मेरे मम्मे छिप गए।

इतने में वह तौलिया लपेट कर बाहर आ गया।

मुझे उसका कसरती बदन और उसकी चौड़ी छाती पर काले काले बाल बड़े सेक्सी लग रहे थे.

मेरा मन हुआ कि मैं अभी इसकी तौलिया उतार कर इसका नंगा लंड देख लूं।

मैं बड़ी बेताब हो रही थी।

फिर मैंने सोचा 'नहीं यार, तौलिया खींचने का कोई तो बहाना होना चाहिए।'

बरसात बड़ी जोर की हो रही थी।

खिड़की मैंने खोल दी तो सामने समंदर ही समंदर दिखाई पड़ रहा था।

वह सोफा पर बैठ गया.

मैं उसके सामने बैठ गयी.

मैंने उसे व्हिस्की का एक पैग उसे पकड़ा दिया।

उसने मेरे साथ चियर्स कहा और हम दोनों ड्रिंक्स का मज़ा लेने लगे.

मौसम वाकई बड़ा रोमांटिक हो गया था।

मेरी नज़र उसके लंड पर थी।

मैंने उससे बातचीत करना शुरू कर दिया और बीच बीच में उसे अपने मम्मों की झलक दिखाना भी शुरू कर दिया।

बालों को इधर उधर झटका कर उसे अपने गुलाबी निप्पल भी दिखाने लगी।

मैं बार बार रसोई में आ जा रही थी। कभी पानी लेने के लिए, कभी नाश्ता लाने के लिए, कभी अंडे लाने लिए।

हर बार उसे मैं अपने सेक्सी जिस्म का जलवा दिखाने लगी।

आगे से अपने बूब्स और पीछे से अपनी गांड दिखाने लगी।

मैं उसके लंड में जबरदस्त आग लगाना चाहती थी।

उसके लंड का शिकार करना चाहती थी मैं!

मैंने कहा- यार, तुम अपने बारे में कुछ बताओ मुझे!

वह बोला- मैडम, मेरा नाम अरुण है। मैं 28 साल का हूँ एक आई टी कंपनी में काम करता हूँ. दादर में एक वन रूम फ्लैट में रहता हूँ। मेरी शादी अभी नहीं हुई है।

मैंने कहा- तो फिर क्या करते हो जब रात को तेरा लंड खड़ा हो जाता है ?

मेरे मुंह से 'लंड' सुनकर उसके 'लंड' में करंट लग गया।

मेरा तीर सही निशाने पर लगा।

वह हंसने लगा और बोला- मैडम, वही करता हूँ जो सब लड़के करते हैं!

मैंने मुस्कराते हुए कहा- तो क्या सड़का मारते हो ? मुठ मारते हो अपने लंड की ? मारते हो तो किसके नाम की मुठ मारते हो ?

मैं बिंदास एकदम खुल कर बोल रही थी।

वह बोला- मैडम ...

मैंने बीच में ही टोकते हुए कहा- मैडम की माँ का भोसड़ा ... मैडम की माँ की चूत ... मैं मैडम नहीं हूँ यार! मुझे बार बार मैडम मत कहो। मैं रेशमा हूँ, हरामजादी भोसड़ी वाली रेशमा हूँ। मुझे रेशमा कहो। ये मेरा घर है ऑफिस नहीं! अब बोलो किसके नाम का मुठ

मारते हो ?

मैंने फिर उसे ललकारा ।

वह बोला- जो भी खूबसूरत लड़की दिख जाती है, उसी के नाम का मार लेता हूँ ।

मैंने कहा- तो इसका मतलब आज तुम मेरे नाम का मुठ मारोगे ?

वह बोला- हां आज तो जरूर मारूंगा ... तुम बहुत खूबसूरत हो मैडम, नहीं नहीं ...

बुरचोदी रेशमा !

मैंने कहा- हां यह हुई न कोई बात ... देखो तुम भी जवान हो और मैं भी जवान हूँ तो फिर

शर्म किस बात की ? तीसरा कोई है नहीं बहनचोद !

मैं उठी और उसकी चुम्मी ले ली ।

मैंने कहा- आज तुम नहीं, मैं तेरे लंड का मुठ मारूंगी अरुण बाबू !

बस उसका लंड साला और तन कर खड़ा हो गया ।

मैंने फ़ौरन उसकी तौलिया खींच लिया तो वह एकदम नंगा हो गया ।

मैंने कहा- यार, तुम नंगे बड़े अच्छे लग रहे हो !

उसे मैंने अपने गले लगा लिया और बोली- मैं तुमसे प्यार करती हूँ अरुण ... मेरा दिल तुम

पर आ गया है । तुम मुझे अच्छे लगते हो.

मैंने उसके गाल चूमे, उसकी छाती चूमी, उसकी नंगी पीठ पर हाथ फेरा, उसके चूतड़

सहलाये, उसके चूतड़ों पर हाथ फिरा कर उसकी गांड का जायज़ा लिया ।

उसने भी जी भर के मुझे चिपका लिया, मेरी पीठ पर और मेरे मम्मों पर हाथ फेरा, मेरी कई

चुम्मियाँ लीं, मेरे नंगे बूँस दबाया ।

तब मैंने उसका लंड पकड़ लिया ।

मैंने बड़े प्यार से लंड चूमा, लंड का टोपा चूमा और बोली- बड़ा मस्त है तेरा भोसड़ी का लंड ... गोरा गोरा कितना प्यारा और हैंडसम लग रहा है तेरा लंड ? हाय रे ... मुझे तेरा लंड पकड़ने में बड़ा मज़ा आ रहा है यार ! मुठ मारने में तो और मज़ा आएगा, चूसने में तो उससे ज्यादा मज़ा आएगा और सबसे ज्यादा मज़ा तो इसे अपनी चूत में पेलने में आएगा ।

मैंने मन में कहा 'आज तो एक बहुत बढ़िया लंड का शिकार हुआ । मज़ा आ गया बहनचोद ... ऐसा ही अगर हर रोज़ होता रहे तो कितना अच्छा हो !

तब तक उसने मेरे पाजामे में हाथ घुसेड़ दिया, बोला- रेशमा, अब हमारे बीच इसका क्या काम ?

मैंने कहा- हां, इसका कोई काम नहीं ।

झट से मैंने पजामा खोल कर फेंक दिया ।

मैं मादरचोद एकदम नंगी नंगी उसके सामने खड़ी हो गई ।

उसने बड़े प्यार से मेरी चूत देखी और उस पर हाथ फिराया.

फिर बोला- वाओ, तेरी छोटी छोटी झाटों वाली चूत मुझे बड़ी सेक्सी लग रही है ।

मैंने वहीं पर सोफा को गिरा कर बेड बना दिया और उसी पर उसे नंगा चित लिटा दिया ।

अपने बालों का जूड़ा बनाया मैंने और नंगी नंगी उसके ऊपर चढ़ गई ।

अपनी चूत मैंने उसके मुंह पर रख दी और झुक कर उसका लंड चाटने लगी ।

वह मेरा मकसद समझ गया और मेरी चूत चाटने लगा ।

मैं लंड का सुपारा चाट चाट कर मज़ा लेने लगी ।

मेरे मुंह की लार और उसके लंड की लार दोनों मिलकर एक नया स्वाद बना रहीं थीं जिसे मैं एन्जॉय करने लगी।

अरुण अपनी जबान मेरी चूत में घुसा कर चाटने लगा।

तब मैं समझ गयी कि इसे चूत चाटने का अनुभव है।

मैंने पूछा- यार अरुण तुम कितनी चूत चाट चुके हो ?

वह बोला- यही कोई 2 / 3 चूत तो चाट ही चुका हूँ मैं !

मैंने कहा- तो अभी तक क्या मुझसे अपनी गांड मरा रहा था तू ? अपनी माँ चुदा रहा था तू मुझसे ? झूठ क्यों बोला तूने ?

उसने कहा- कहीं तुम बुरा न मान जाओ इसलिए झूठ बोला।

मैं उसके लंड पर थूक थूक कर चाटने लगी जैसे ब्लू फिल्म में लड़कियां लंड चाटती हैं।

टोपा बार बार मुंह से निकाल निकाल कर अंदर घुसेड़ने लगी।

मैं मौज़ में थी तो मैंने पूछा- अब तू बता कि किस की चूत तुझे सबसे अच्छी लगी ? किसने तुमसे ज्यादा अच्छी तरह चुदवाया ?

वह बोला- मुझे अपनी पड़ोसन की चूत बहुत अच्छी लगी और उसकी बेटी की भी चूत तो बहुत ही मस्त लगी। दोनों मिलकर मुझसे खूब अच्छी तरह चुदवातीं हैं। जैसे तुम गालियां दे दे कर मस्ती करती हो, वैसे वे दोनों भी खूब गालियां दे दे कर धकाधक चुदवातीं हैं। मेरा लंड साला उसके नाम से खड़ा हो जाता है।

मैंने कहा- अब तेरा लंड मेरे नाम से भी खड़ा हो जायेगा माँ के लौड़े अरुण ... तेरी माँ का भोसड़ा ! अच्छा यह बताओ क्या तुमने कभी किसी और के साथ सामूहिक चुदाई की है ?

उसने बताया- मेरा एक दोस्त है अनिल, उसके साथ मैंने दो लड़कियां चोदीं हैं।

उसकी यह बात सुनकर मैं गद गद हो गई ; मेरी उत्तेजना बढ़ गई ।
वह भी जोश में आ गया ।

उसने मुझे नीचे लिटाया और मेरी गांड में नीचे तकिया लगा कर लंड मेरी चूत में गप्प से पेल दिया ।

मैं तो इसी का इंतज़ार कर रही थी ।

मेरे मुंह से चीख निकली- उई माँ मर गई मैं ... फट गई मेरी चूत ! तेरा लंड बड़ा मोटा है भोसड़ी का । बड़ा दर्द हो रहा है । आहिस्ते आहिस्ते नहीं चोद सकता तू ? इतनी भी जल्दी क्या है ? मैं कहीं भागी नहीं जा रही यार !

उसके बाद जब लंड 10 / 12 बार अंदर बाहर हुआ तो मुझे मज़ा आने लगा ।

फिर मैं बोली- हाय दर्दिया, बड़ा अच्छा लग रहा है । ज़रा जल्दी जल्दी चोदो, पूरा लंड घुसेड़ कर चोदो, मर्दों की तरह चोदो । मुझे अपनी बीवी की तरह चोदो यार ! फाड़ डालो मेरी बुर ! मैं चूत चोदी अब्बल दर्जे की रंडी हूँ, मुझे चोदो । तेरा लंड बड़ा हक्कानी है यार ... धज्जियाँ उड़ा दो मेरी चूत की !

वह भी ताव में आ गया, बोला- तू मादरचोद रेशमा, सच में रंडी है । तेरी माँ का भोसड़ा ... तेरी बहन की चूत ... साली कुतिया, मैं आज तेरी चूत का बना दूंगा हलवा । बहुत दिनों के बाद आज मुझे कोई मस्तानी चूत मिली है । इतनी देर से बक बक कर रही है तू माँ की लौड़ी ... अब तू झेल मेरे लंड के धक्के !

उसने धक्के पे धक्के लगाना शुरू कर दिया और मैंने भी हर धक्के का जवाब धक्के से देना शुरू कर दिया ।

वह फिर बोला- आज मैं देखता हूँ तू भोसड़ी वाली कितनी चुदक्कड़ है रेशमा की बच्ची ? तेरी चूत की गर्मी निकाल कर तेरे हाथ में रख दूंगा । तू मुझे नहीं जानती । मैं जाने कितनी लड़कियों की चूत का भोसड़ा बना चुका हूँ । आज मैं तेरी चूत का भी भोसड़ा बना दूंगा ।

अरुण और अरुण का लंड दोनों ही बड़े ताव में थे।

इधर मैं भी कम न थी।

मुझे आज कई दिनों के बाद लंड मिला था तो मैं उसका पूरा रस निचोड़ लेना चाहती थी।

उसने चुदाई की रफ़्तार बढ़ा दी.

उससे मुझे मालूम हुआ कि अब वह निकलने वाला है।

तब तक मैं भी खलास होने वाली थी।

जब उत्तेजना ज्यादा होती है तो पानी भी जल्दी ही निकल जाता है।

मेरी तो चूत ढीली हो गई।

उसे मालूम हो गया कि मेरी चूत ने पानी छोड़ दिया है और अंदर चूत में दल दल बन गया है.

तो उसने लंड निकाला और मेरे मुंह में घुसेड़ दिया।

लंड भी बहन चोद झड़ गया और मैं बड़ी मस्ती से उसका वीर्य गटक गई।

मैं मस्ती से लंड का झड़ता हुआ टोपा चाटने लगी।

मुझे एहसास हो गया कि आज मेरी चुदाई अच्छी तरह हुई है।

फिर हम दोनों बाथरूम गए और एक दूसरे को खूब मजे से नहलाया।

उसके बाद खाना हम दोनों ने नंगे नंगे ही खाया और खूब मज़ा किया।

उधर पानी बरसना बंद नहीं हुआ बल्कि बादल और घिर आये।

अँधेरा थोड़ा और हो गया।

मौसम और ज्यादा रोमांटिक हो गया।

हम दोनों नंगे नंगे खिड़की के पास खड़े होकर समंदर को देखते हुए बड़ी देर तक मौसम का मज़ा लेते रहे।

वह मेरी चूचियाँ और चूतड़ सहलाता रहा और मैं उसका लंड सहलाती रही।

बौछार की बूँदें जब हमारे नंगे बदन पर पड़तीं तो हमारा मन खिल उठता।

एक तो बरसात का मौसम, दूसरे जवानी का नशा और तीसरे हम दोनों का नंग धड़ंग होना, ऐसे में लंड भोसड़ी का फिर से खड़ा हो गया और चूत चूत चोदी फिर से चुदने के लिए तैयार हो गई।

इस बार लंड पहले से ज्यादा कड़क नज़र आ रहा था।

मैंने उसे छुआ तो लंड काले नाग की तरह फुफकारने लगा।

तब मैंने कहा- अरे यार, अरुण तेरा लंड तो बहनचोद एकदम पागल हो गया है।

उसने कहा- इतनी खूबसूरत लड़की सामने नंगी खड़ी हो तो कोई भी लंड पागल तो हो ही जाएगा।

बस मुझे लंड पर बड़ा प्यार आ गया और मैं उसे चूमने लगी।

मैं लंड का टोपा चाटने लगी और वह भी मेरे नंगे बदन पर चारों तरफ से हाथ फेरने लगा।

उसने धीरे से चुपचाप मुझे घोड़ी बना दिया।

मैं अपनी ड्रेसिंग टेबल के आगे घोड़ी बन गयी।

मेरे दोनों बूब्स मेरे सामने शीशे में हिलते हुए नज़र आने लगे।

तब तक अरुण पीछे गया और लंड मेरी चूत पर टिका दिया।

थोड़ा रगड़ा अपना लंड मेरी चूत पर और फिर गच्च से पेल दिया अंदर!

लंड घुसते ही मुझे एक अलग तरह का मज़ा आने लगा ।

मैंने ऐसी चुदाई पोर्न में ही देखी थी, आज खुद करवा कर देख रही हूँ ।

वह उसी तरह चोदने लगा जैसे कोई घोड़ा घोड़ी को चोदता है, जैसे कोई गधा अपनी गधी की चूत लेता है जैसे कोई कुत्ता कुतिया की चूत चोदता है ।
इसीलिए शायद इसे डॉगी स्टाइल कहा जाता है ।

मैं डॉगी स्टाइल से चुदने लगी और तब मुझे मालूम हुआ कि अक्सर लड़कियां अपनी चूत पीछे से क्यों चुदवाती हैं.
पीछे से चुदवाने का मज़ा ही कुछ और होता है ।
मैं पूरी मस्ती में थी ।

वासना हम दोनों के सिर पर सवार थी ।
न मुझे दुनिया की कोई खबर थी और न उसे !
उसको चोदने से मतलब था और मुझे चुदवाने से मतलब था ।

वह बार बार अपना लंड पूरा का पूरा मेरी चूत में घुसेड़ देता और बाहर निकाल लेता ।

उसका ऐसा करना मुझे बड़ा सुख दे रहा था ।
मैं सच में अरुण के लंड की गुलाम हो गई ।

मैंने सोच लिया कि मैं अब इसे बुलाकर बुलाकर चुदवाती रहूंगी ।
परमानेंट लंड मिल गया मुझे !

इतने में उसने लंड बाहर निकाला और मुझे सोफा पर बैठा दिया ।
फिर उसने लंड मेरे मुंह में घुसा दिया, बोला- रेशमा, अब मैं तेरा मुंह चोदूंगा ।

वह लंड मेरे मुंह के अंदर बाहर करने लगा ।

उसने मेरे बाल पकड़ रखे थे, मेरा सिर पकड़ रखा था और उसे बार बार अपने लंड के आगे पीछे करने लगा ।

मुझे बहुत अच्छा लगा ।

लंड साला बार बार अंदर मेरे गले तक घुस जाता था और बाहर निकल आता था ।

वह बोला- रेशमा तू चूत चोदी सच में रंडी है । तेरी तरह चुदवाने कोई और लड़की नहीं हो सकती । मुझे तेरी चूत चोदने में बड़ा मज़ा आया और अब तेरा मुंह चोदने में बड़ा मज़ा आ रहा है ।

आखिरकार वह मेरे मुंह में ही झड़ गया और मैं उसका सारा वीर्य पी गयी.

फिर मैं लंड का सुपारा चाटने लगी और पेल्हड़ भी बड़े प्यार से चाटे ।

इस तरह उसने मुझे रात में 3 बार चोदा और हर बार एक नई स्टाइल से हॉट चूत फक किया ।

सवेरे मैंने उसे गर्म गर्म चाय पिलाई और बड़े प्यार से उसे विदा किया ।

वह टैक्सी करके चला गया ।

अगले दिन फिर मैं निकल पड़ी एक नये लंड का शिकार करने !

तो मेरे प्यारे पाठको, कैसी लगी आपको मेरी यह हॉट चूत फक कहानी ?

reshmaa752022@gmail.com

मेरी पिछली कहानी थी : [सुहागरात में शौहर के बाद दो लंड से और चुदी मैं](#)

Other stories you may be interested in

मित्र की गर्म मम्मी की चुदाई

हॉट Xxx आंटी सेक्स कहानी मेरे दोस्त की मम्मी की चूत चुदाई की है. आंटी 40 की उम्र में भी बहुत चिकनी माल दिखती थी. मैं उनके घर जाने लगा और उनको सेक्स के लिए मना लिया. प्रस्तुत कहानी मेरे [...]

[Full Story >>>](#)

चढ़ती जवानी में लंड की जरूरत

Xxx वर्जिन गर्ल हॉट चुदाई का मजा मुझे दिया माकन मालकिन की कुंवारी जवान बेटा ने! वह शुरू से ही मेरे ऊपर नजर रखती थी. सुबह चाय देने आती तो उसकी नजर मेरे लंड पर होती थी. नमस्कार मित्रों, मैं [...]

[Full Story >>>](#)

हॉट पंजाबी गर्ल के साथ सेक्स की मस्ती

हॉट पंजाब सेक्स का मजा मुझे दिया मेरे रेस्तरां में एक पंजाबी लड़की ने ... और पहली बार में ही लंड-चूत का मिलन हो गया। लेकिन वो चुदाई के बाद गायब हो गई। मैं तड़पता रह गया। दोस्तो, मैं पेशे [...]

[Full Story >>>](#)

बॉयफ्रेंड के सामने उसके दोस्त से चुद गई मैं

सेक्स टेबलेट का इफ़ेक्ट मैंने तब देखा जब मेरी सहेली के बॉयफ्रेंड ने मुझे लगातार अलग अलग आसनों में बहुत देर तक चोदा. मेरा बुआ हाल हो गया था पर वह नहीं झड़ा था. यह कहानी सुनें. दोस्तो, मैं अनु [...]

[Full Story >>>](#)

शादी से पहले शौहर ने क्या कर दिया

देसी Xxx गर्ल हिंदी कहानी में मैंने अपनी मंगेतर को शादी से पहले ही उसी के घर में चोद कर उसकी सील तोड़ी. फिर हम सेक्स चैट करने लगे. चैट में मैंने उससे किसी बाहरी आदमी से सेक्स की बात [...]

[Full Story >>>](#)

